

INDIA INTERNATIONAL SCHOOL SITAPURA JAIPUR CLASS - 3 SUMMER HOLIDAY HOMEWORK

English

- 1. Find a beautiful poem on nature using internet resources and learn it.
- 2.Take an impression of any leaf on an A-4 size paper and write four sentences about it.

Hindi

- 1. विभिन्न प्रकार की पत्तियों को एकत्रित करके उनसे दो अलग-अलग आकृतियाँ बनाएं और उनपर पाँच) वाक्य लिखिए। (A-4-size sheet) <u>Maths</u>
- 1. Illustrate the following questions on an A4 size paper.
- 2. A branch of the Neem tree has 11 leaves on it. How many leaves are there on four such branches?
- 3. Make a multiplication booklet. Write multiplication tables of 2 to 12 in it.

<u>IT</u>

1. Create a beautiful scene of nature using 'Tux Paint'.

INDIA INTERNATIONAL SCHOOL SITAPURA JAIPUR CLASS – 3 SUMMER HOLIDAY HOMEWORK

EVS

- 1. Make a beautiful 'toran ' using leaves.
- 2.Read and learn Ch.5 'Leaves in Our Lives'.

<u>GA</u>

- 1. Paste 5 pictures of Gods and Goddesses in G.A. notebook and also identify them.
- 2.Learn Gayatri Mantra with meaning.

Drawing

- 1.Make any one drawing of your choice on an A-4 size sheet.
- 2. Make one craft item using waste material.

Enjoy your vacations with dance and music

https://www.youtube.com/watch?v=ymigWt5TOV8 https://www.youtube.com/watch?v=7TjSnzyLjro

INDIA INTERNATIONAL SCHOOL SITAPURA JAIPUR CLASS – 4 SUMMER HOLIDAY HOMEWORK

English

1. Write in brief about your favourite recreational activity on a colourful A-4 size sheet . Also draw or paste pictures of the activity.

Hindi

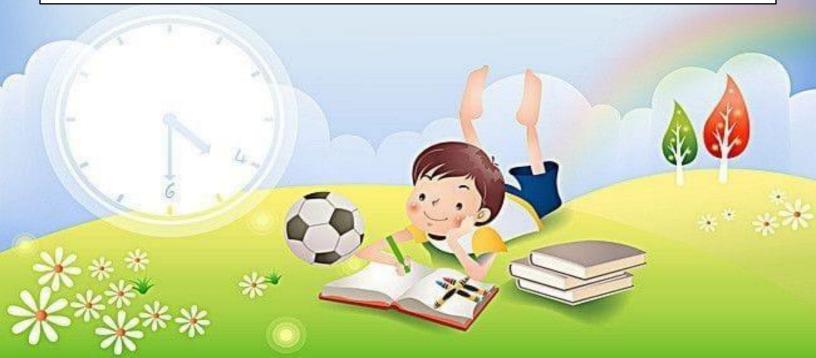
- 1. सर्कस का व जोकर का चित्र बनाकर एक कविता $\mathbf{A} \times \mathbf{4}$ पर लिखिए ।
- 2. मेरा प्रिय मित्र, किसी एक पालतू जानवर पर चित्र सहित 5 पंक्तियों में अनुच्छेद लिखें।

Maths

- 1. Make a rangoli with 2D shapes circle, square, rectangle and triangle.
- 2. Make a multiplication booklet. Write multiplication tables of 2 to 16 in it.

EVS

- 1. Enlist the ways in which we should take care of our 5 sense organs. Eye, Ear, Nose, Tongue and Skin.
- 2. Also paste the pictures while doing so.



INDIA INTERNATIONAL SCHOOL SITAPURA JAIPUR CLASS – 4 SUMMER HOLIDAY HOMEWORK

IT

- 1. Create a scenery with natural surroundings like tree, river mountain etc. Using Tux Paint and it's tools.

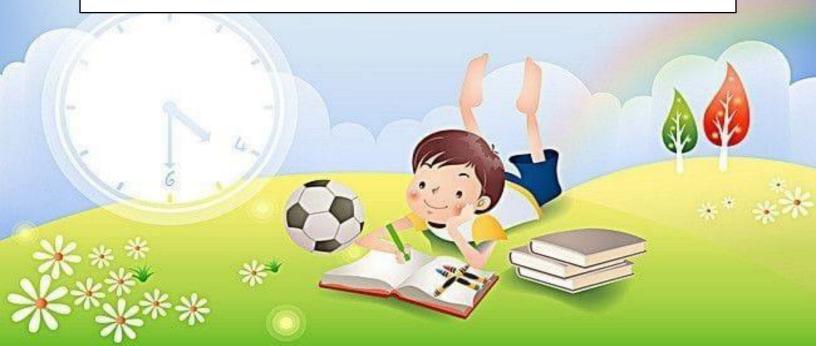
 <u>Drawing</u>
- 1. Make any one drawing of your choice on A4 size sheet.
- 2 . Make one craft item using waste material.

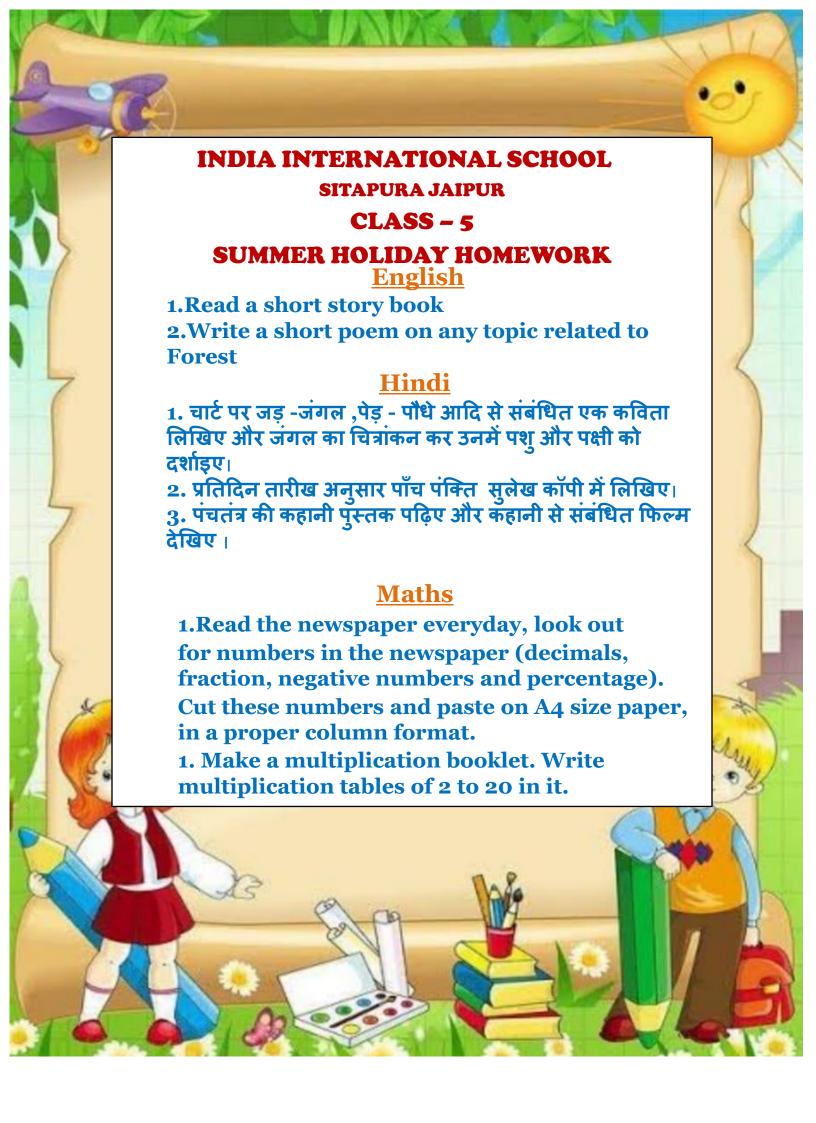
<u>GA</u>

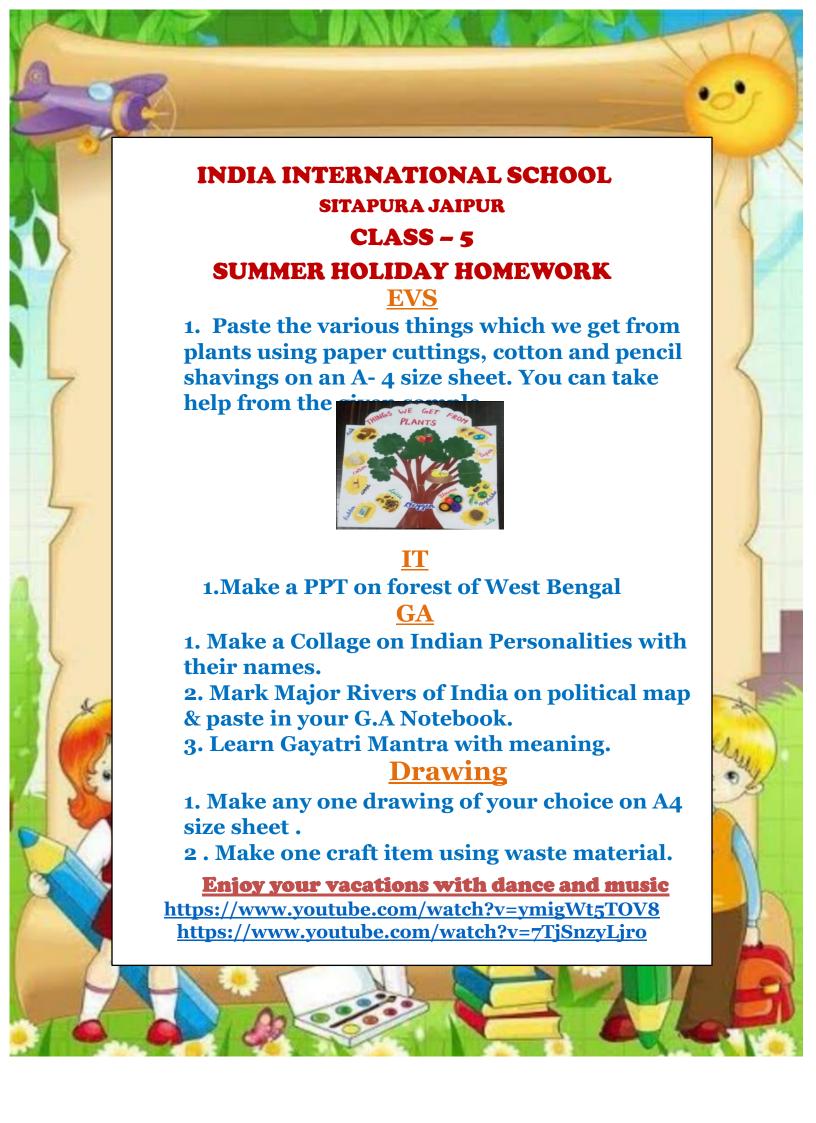
- 1. Make a First Aid Box with shoe box.
- 2. Learn Gayatri Mantra with meanings.

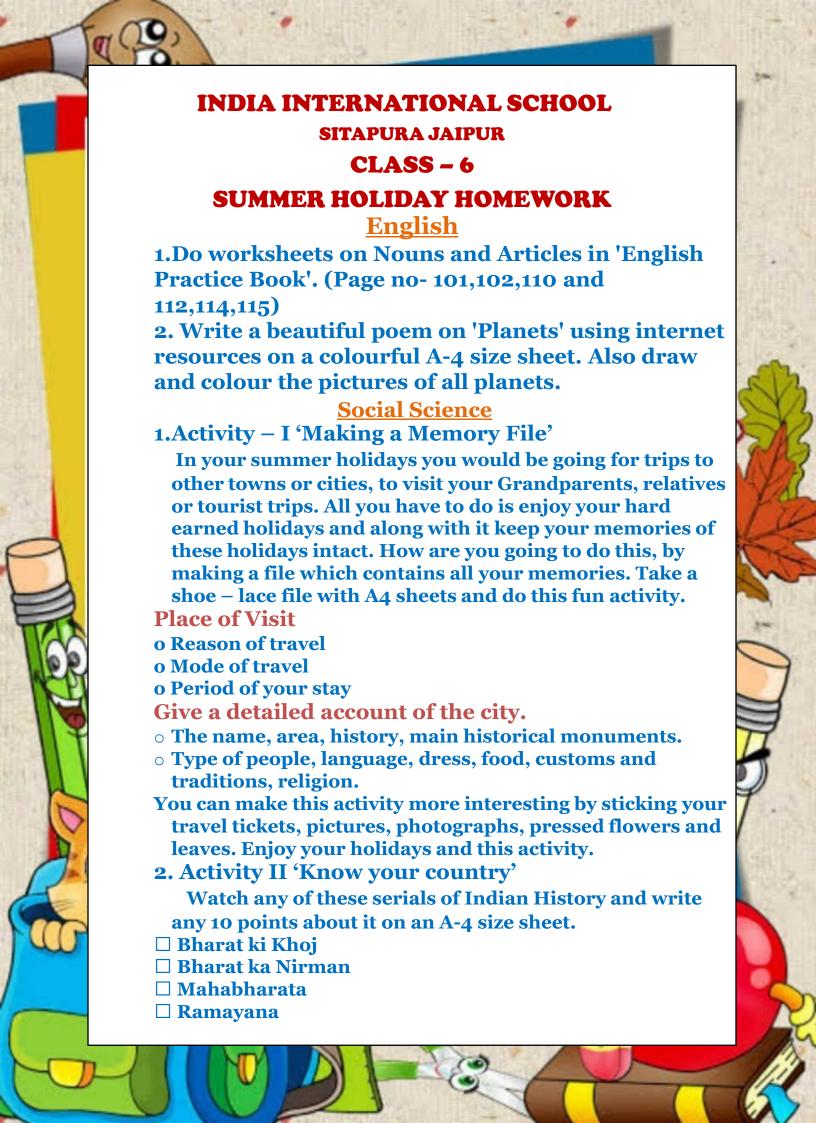
Enjoy your vacations with dance and music

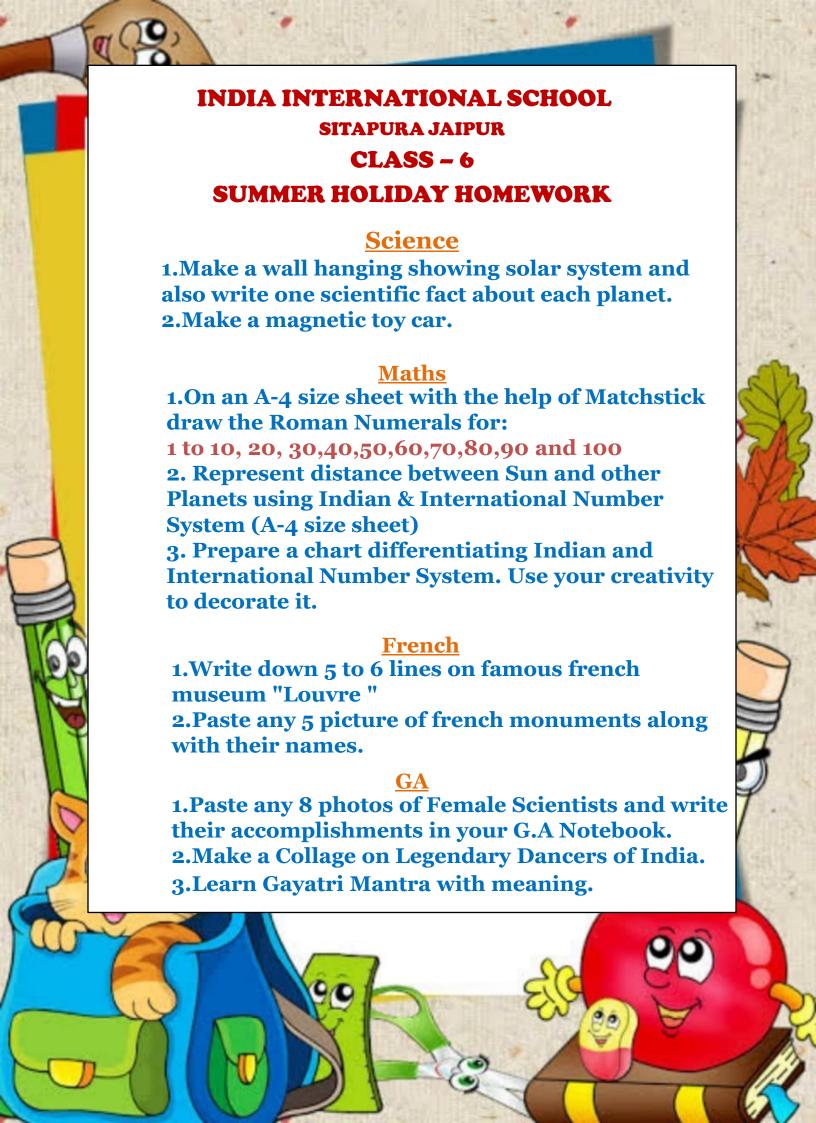
https://www.youtube.com/watch?v=ymigWt5TOV8 https://www.youtube.com/watch?v=7TjSnzyLjro

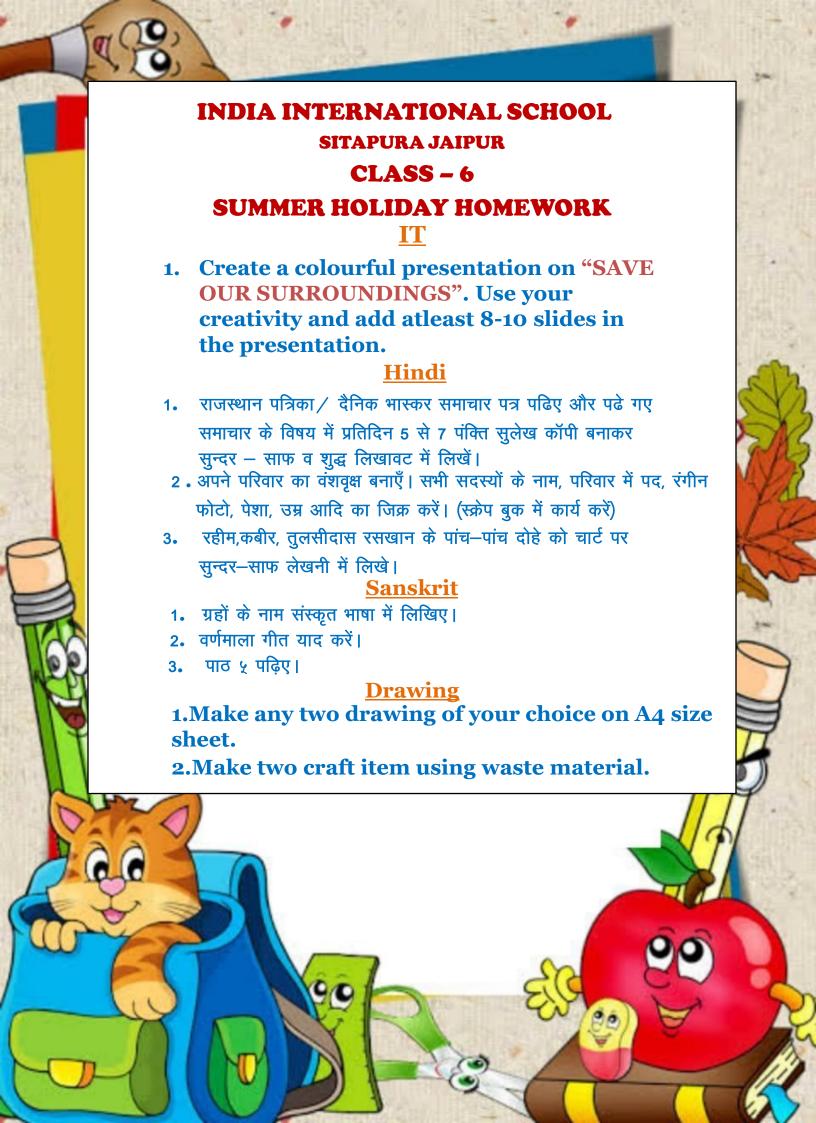












INDIA INTERNATIONAL SCHOOL SITAPURA JAIPUR

CLASS - 7

SUMMER HOLIDAY HOMEWORK

English

- 1.Paste any five different type of fabrics and write a short description in 50 words.
- 2. Do exercise B -37, B-40 and B-41 in workbook with pencil.

Science

1.Make a scrap book showing journey of silk in pictorial form.

Social Science

- 1.Collect any five fibres and paste in scrap book and write a short description.
- **2.**Civics- Do Questions and Answers of Chapter 1.

Drawing

- 1. Make any two drawing of your choice on A4 size sheet .
- 2. Make two craft item using waste material.

Maths

- 1. Draw a bar graph of showing production of cotton fibre(in million bales) in India during last five years.(FY 2017 to FY 2021)
- 2. Collect pictures of any 5 famous monuments, rivers and temples of Tamil Nadu and Karnataka and measure their length and height on A4 size sheet.
- 3. Collect different natural and synthetic fibre and paste on A4 size Sheet in the shape of Triangle, circle, Square and Rectangle etc.



INDIA INTERNATIONAL SCHOOL SITAPURA JAIPUR

CLASS - 7

SUMMER HOLIDAY HOMEWORK

French

- 1.Draw an Indian and french flag and describe them in five french sentences.
- 2.Describe french currency and compare it with Indian rupee.

GA

- 1. Make a chart on Bharat Ratna Awards & also write their years.
- 2. Make a Collage on topic Ramayan with different periods & write their names.
- 3. Learn Gayatri Mantra with meaning.

Hindi

- •अपने घर के आगे अथवा नजदीकी पार्क में कोई छायादार/फलदार पेड़ लगाएँ और उसका छायाचित्र भी संलग्न करें।
- •अपने परिवार का वंशवृक्ष बनाएँ। सभी सदस्यों के नाम, परिवार में पद, रंगीन फोटो, पेशा, उम्र आदि का जिक्र करें। (स्क्रेप बुक में कार्य करें)
- •देशभक्ति और हिन्दी विषय को सवंधित करने वाले स्लोगन (नारे) लिखिए। (A4 sheet पर लिखें।)
- •रामधारी सिंह "दिनकर" रचित वीरभाव युक्त कविता चार्ट पर लिखकर चित्रांकन कीजिए।

Sanskrit

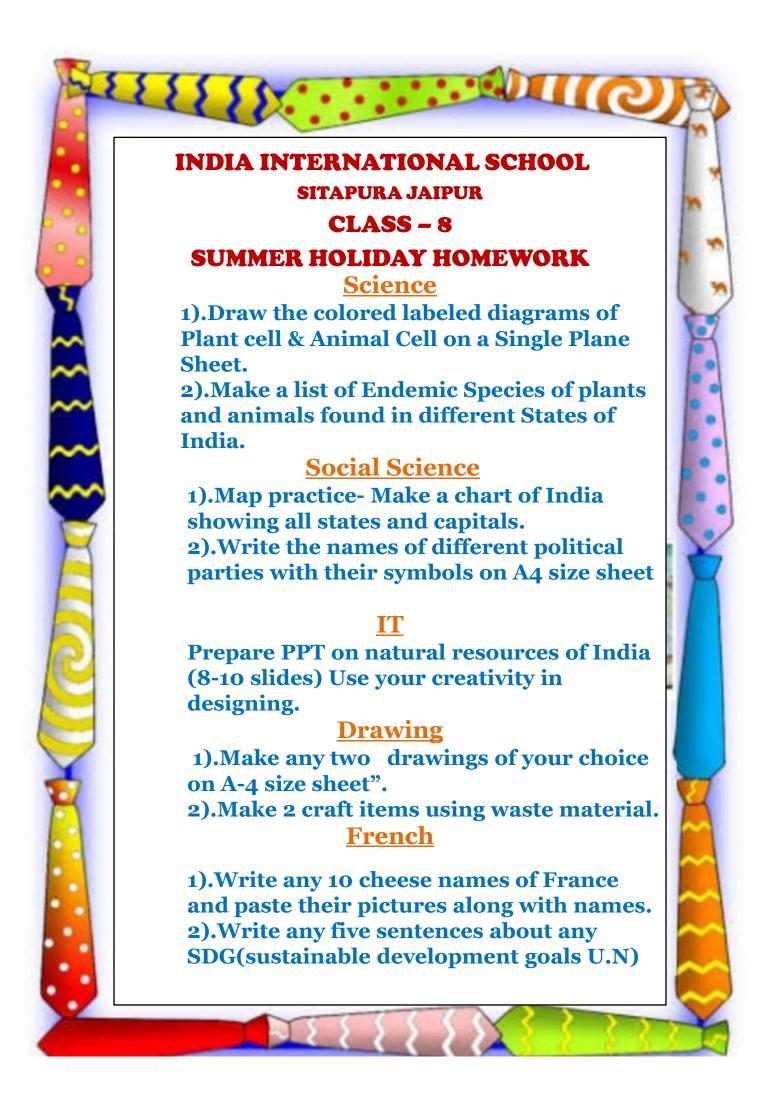
- 1. कपड़ा हमें किस-किस से मिलता है। उनका चित्र चिपका कर उन का नाम संस्कृत में लिखिए।
- 2. शब्द रूप धातु रूप याद करें।

IT

Create an excel sheet to calculate the sales of Wagon R and Maruti Alto 800 of ABC Maruti Sales Centre. (Sample attached)









Hindi

1- विक्रम -बेताल की कहानियां (लेखक सोमदेव भट्ट की कहानियां) पढ़िए व किसी एक कहानी पर आधारित सचित्र (कॉमिक निर्माण) वर्णन करते हुए नैतिक मूल्य का भी वर्णन कीजिए।(A4 size sheet पर, Total sheet 7-8)
2. अपने घर की छत पर/ घर के बाहर/ आसपास पशु -पिक्षयों के लिए पानी की व्यवस्था करिए व निम्न बिंदुओं को वर्णन कीजिए

* कौन-कौन से पश् -पक्षी निरंतर आए।

* अपने स्वयं के अँदर किस नैतिक मूल्य को आपने विकसित किया।

* अपनी पसंदीदा पशु -पक्षी का चित्र खींचकर A4 साइज शीट पर चिपकाएँ व उससे संबंधित 7 से 8 पंक्तियां लिखिए।

* किसी एक नैतिक मूल्य पर अनुच्छेद लिखिए। निर्देश — यह कार्य आप अपने डिजिटल पोर्टफोलियो में भी संलग्न करेंगे।

FA- 2 Activities के अंतर्गत उपरोक्त कार्य के अंक भी प्रदान किए जाएंगे।

Sanskrit

- 1. वनों के नाम व जंगली जानवरों के नाम संस्कृत में लिखिए।
- 2. शब्द रूप व धातु रूप याद कीजिए।

INDIA INTERNATIONAL SCHOOL SITAPURA JAIPUR SUMMER HOLIDAY HOMEWORK

CLASS - 9

English

- 1. Prepare attractive chart on any one of the following topics.
- Poetic devices
- •Parts of speech
- Tenses
- Reported Speech
- 2. Read any book and write a review. Mention the name of the book and the author.

Hindi

- 1- विक्रम -बेताल की कहानियां(लेखक सोमदेव भट्ट की कहानियां) पढ़िए व किसी एक कहानी पर आधारित सचित्र (कॉमिक निर्माण) वर्णन करते हुए नैतिक मूल्य का भी वर्णन कीजिए।(A4 size sheet पर, Total sheet 7-8)
- 2. अपने घर की छत पर/ घर के बाहर/ आसपास पशु -पिक्षयों के लिए पानी की व्यवस्था करिए व निम्न बिंदुओं को वर्णन कीजिए -
- * कौन-कौन से पश् -पक्षी निरंतर आए।
- * अपने स्वयं के अंदर किस नैतिक मूल्य को आपने विकसित किया।
- * अपनी पसंदीदा पशु -पक्षी का चित्र खींचकर A4 साइज शीट पर चिपकाएँ व उससे संबंधित 7 से 8 पंक्तियां लिखिए।
- * किसी एक नैतिक मूल्य पर अनुच्छेद लिखिए । निर्देश - यह कार्य आप अपने डिजिटल पोर्टफोलियो में भी संलग्न करेंगे। बहुविध आकलन और स्ववृत (MAT & PORTFOLIO) के अंतर्गत उपरोक्त कार्य के अंक भी प्रदान किए जाएंगे।

Social Science

- Do History and Civics notes.
- Make a Project on Disaster Management

Science

• Do the worksheet given in A4 size sheet and submit when school reopens. Learn Ch- 1,5 and 8

Mathematics

- Lab Manual Activity -
 - 1). Verify the algebraic identity $(a+b)^2=a^2+2ab+b^2$
 - 2). Verify the algebraic identity $(a-b)^2=a^2-2ab+b^2$
 - 3). Verify the algebraic identity $(a^2-b^2)=(a+b)(a-b)$

Above activities should be done in Lab Manual Activity Copy only. (Lab Manual Publisher-New Saraswati House)

<u>Sanskrit</u>	
<u>IIS Sita</u> रोस्कृत अभ्या	स पत्र संख्या जीटमानकाश काम
ाठ / विषय:- <u>८था करण</u> ाम:-	कक्षा:— <u>9</u> दिनांक:—
एताः चतस्रः आपत्काले एव परीक्षयेत्। मित्रस्य परीक्षणं विप सम्यक्तया विचिन्त्य एव कर्तव्यम्। मित्रस्य निर्वाचने तस्य व सदाचारि विश्वासपात्रं, सहृदयं चरित्रवत् च भवेत्। सन्मित्रम् तद् रक्षति। यदा जनस्योपरि विपत्तीनां बदुदलाः आच्छादिताः	त्र नारी, आपतकाल परखिए चारी।' अर्थात् धैर्यं, धर्मः, मित्राणि नारी ह तो एव भवति। सन्मित्रं सरलतया न मिलति। अतः जनैः मित्रस्य निर्वाच्य व्यवहारस्य आचरणस्य वा उपिर विशेषतया ध्यानं दातव्यम्। सन्मित्रं विन्द्र म् एकं शिक्षकमिव भवति यत् स्वमित्रं सन्मार्गे अग्रसरी कृत्वा पापपङ्काः भवन्ति सर्वतश्च निराशायाः गहनं तमः एव दृष्टिगोचरं भवति तदा केवः तेकरोति। यत् सम्मुखे तु मधुरं वदेत् पृष्ठे कार्यं विकुर्यात् तादृशस्य मित्रस्
I. एकपदेन उत्तरत-	(::) Come whomi and state
(i) कः सरलतया न मिलति?	(ii) मित्रस्य परीक्षणं कदा भवति?
 II. पूर्णवाक्येन उत्तरत– (i) कदा सन्मित्रमेव आशायाः किरण इव समक्षे आ (ii) सन्मित्रं कीदृशं भवेतु? 	गत्य तमः दूरीकरोति?
III. भाषिककार्यम् – (i) अनुच्छेदे 'मेघाः' इति पदस्य कः पर्यायः प्रयुक्तो व (iii) अनुच्छेदे 'सहृदयम्' इत्यस्य विशेषणपदस्य विशेष्य	
IV. अस्य अनुच्छेदस्य उचितं शीर्षकं लिखत।	
अपि आस्ताम्। नृपस्य प्रियतरा राज्ञी सुरुचिः ध्रुवात् असूय क्रोडमुपातिष्ठत् तदा सुरुचिः नृपस्य क्रोडात् तिरस्कारपूर्वकं ताञ्च सर्वम् अवदत्। सा तस्मै नारायणकृपां प्राप्तुं तपः कर्तुमव सोद्वा नारायणदर्शनमकरोत् तस्य च कृपां वरमपि प्राप्नोत्।	तिः सुरुचिः च द्वे राज्ञ्यौ आस्ताम्। तयोः क्रमशः ध्रुवः उत्तमश्च द्वौ पु त्। सा स्वपुत्राय उत्तमाय एव राज्यम् ऐच्छत्। एकदा यदा ध्रुवः पि ध्रुवम् अवातारयत्। स्व एतदपमानं दृष्ट्वा ध्रुवः स्वमातुः समीपमगच् कथयत्। ततः ध्रुवः वनं गत्वा गहनं तपः अकरोत्। सः भीषणां प्रकृत्याः पश्चात् राजधान्याम् आगत्य सर्वेषाम् आशीर्वादम् अविन्दत। कालाः तः ध्रुवः नृपः भूत्वा त्याग-विनय-न्याय-स्नेहपूर्वकञ्च अनेकवर्षाणि या
I. एकपदेन उत्तरत-	
(i) नृपस्य नाम किमासीत्?	(ii) वनं गत्वा ध्रुवः किम् अकरोत्?
II. पूर्णवाक्येन उत्तरत–	The second secon
(i) धुवः नृपः भूत्वा कथं राज्यमकरोत्?	(ii) सुरुचिः कथं धुवं क्रोडात् अवातारयत्?
TTT -O	THE RESIDENCE OF THE PARTY OF T

(i) 'पार्श्वे' इति पदस्य कः पर्यायः अनुच्छेदे प्रयुक्तः?

(iii) 'अवाचिनोत्' इति क्रियापदस्य कर्तृपदं किम्?

IV. अस्य अनुच्छेदस्य उचितं शीर्षकं लिखत।

Scanned by TapScanner

(ii) 'राज्ञी' इति विशेषणस्य कः विशेष्यः अत्र आगतः?

भारते प्रतिषड्वर्षं प्रयागे कुम्भार्धकुम्भनामके महामेलके भवतः। एतयोः मेलकयोः सर्वस्मात् भारतात् जनाः अत्र आगच्छन्ति। तत्र महामेलके विभिन्नाः व्यवस्थाः यात्रिणां कृते क्रियन्ते। जनैः अपि ज्ञातव्यं यत् मेलकं गत्वा सुविधायाः अपेक्षा न करणीया। तत्र जनसम्मर्दनेन असुविधाः अपि सम्भवेयुः। जनः मेलामागत्य पूर्वं संगमे यथाकालं स्नानं कुर्यात्, ततः सत्यवसरे पटकुट्यां निवसेत्। मातरं पितरं भ्रातरमपि सहैव आनयेत्। सात्विकमाहारं खादेत्। मध्याह्ने मेलास्थितं हट्टं गच्छेत्, आपणेभ्यः आवश्यकं कालोचितं वस्तु क्रीणीयात्। ततः सायं साधूनां, विदुषां महात्मनां चोपदेशान् शृणुयात्, नाट्यमण्डलीनां मधुरां रासलीलां पश्येत् मन्दिरं वा गच्छेत्। ततः जनः ग्रामे नगरे वा वन्धभ्यः पिरचितेभ्यः च वितरणार्धं प्रसादम् अवश्यमानयेत्।

तस्यां मेलायां किमिप निषिद्धं कार्यं न करणीयम् यथा कोऽपि नद्यां वर्जितस्थाने न स्नातु, धूम्रपानादिकं न करोतु, अस्त्रादिकम् न निद्धातु, आयुधं न रक्षतु, उच्चैः न वदतु, केनापि सह विवादं न करोतु। आवश्यके सित राजपुरुषाणां साहाय्यं सर्वः स्वीकरोतु।

I. एकपदेन उत्तरत-

(i) जनः महामेलके कुम्भे कुत्र निवसेत्?

(ii) मेलायां जनः किं न निदधातु?

II. पूर्णवाक्येन उत्तरत-

(i) जनैः किं ज्ञातव्यम्?

(ii) जनः महामेलकात् किमर्थं प्रसादम् आनयेत्?

III. भाषिककार्यम्-

- (i) अनुच्छेदे 'व्यवस्थाः' इति विशेष्यस्य विशेषणं किं लिखितम्?
- (ii) 'भोजनम्' इत्यस्य पदस्य कः पर्यायः अनुच्छेदे प्रयुक्तः?
- (iii) 'जनः' इति कर्तृपदस्य क्रियापदं किम्?

IV. अस्य अनुच्छेदस्य उचितं शीर्षकं लिखत।

ईस्वीवर्षस्य सप्तमशताब्द्यां महाराष्ट्रप्रान्ते आसीद् राजा विष्णुवर्धनः। तस्य राजसभायां महाकविः भारविः राजकविः आसीत्। तस्य महाकाव्यं किरातार्जुनीयं पुरा कालादेव अत्यन्तं प्रसिद्धं वर्तते। तद् अमरकाव्यम् अर्थगौरवात् संस्कृतसाहित्यस्य बृहत्त्रय्यां प्रथमं स्थानम् अलङ्करोति। भारविः बाल्यकाले महता परिश्रमेण विद्याम् अर्जितवान्। स नियमेन चतुरो वेदान् षट् शास्त्राणि चापठत्। तस्य विलक्षणा प्रतिभा काव्यरचनायामिप प्रवृत्ता। सः सर्वदा विद्वत्तभासु सोत्साहम् उपातिष्ठत्। तत्र पण्डितैः सह अनेकवारं चातुर्वेण शास्त्रार्थम् अकरोत्। सः कविसम्मेलनेषु निरन्तरं काव्यम् अश्रावयत्। श्रोतारः तस्य रम्यं काव्यं श्रुत्वा भृशं प्रशंसिन्त स्म। इत्थं काव्यकलायां तस्य कीर्तिलता अल्पेनैव कालेन चतुर्दिक्षु प्रासरत्।

I. एकपदेन उत्तरत-

(i) कदा भारविः विद्याम् अर्जितवान्?

(ii) सप्तमशताब्द्यां महाराष्ट्रे कः राजा आसीत्?

II. पूर्णवाक्येन उत्तरत-

(i) किरातार्जुनीयम् महाकाव्यं कथं प्रथमं स्थानम् अलङ्करोति? (ii) भारविः पण्डितैः सह किम् अकरोत्?

III. भाषिककार्यम्—

(i) 'अर्जितवान्' इति क्रियायाः अत्र कर्तृपदं किम्?

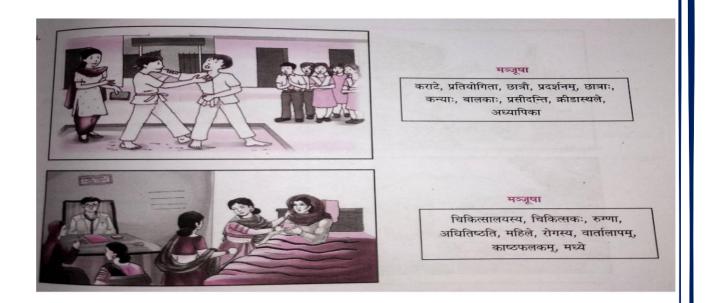
(ii) 'रम्यं काव्यम्' अनयोः पदयोः विशेषणपदं किम्?

(iii) 'मूढैः' इति पदस्य विपर्ययः अनुच्छेदे कः?

IV. अस्य अनुच्छेदस्य उचितं शीर्षकं लिखत।

	10/108 अशोकनगरम्
	नैनीतालम्
रुवे सखि,	तिथिः
(1)	
ल्ह्रेभ वभोनमः।	
अत्र कुशलं तत्रास्तु । सूचना-प्रसारण-माध्यमेन त्वया (ii)	पर्वतारोहणं श्रुतम् भवेत् । सिखः एषः
अतीव रोमाञ्चकः आसीत्। हिमालयपुर	पर्वतारोहणं श्रुतम् भवेत्। सिख! एषः र्वतस्य अष्टसहस्र—मीटरपरिमिते उच्चतमे (iv)
आरोहणम् मम जीवनस्य महदुद्देश्यम् आसीत्। प्राणान् (٧)	वतस्य अष्टसहस्र—मीटरपरिमिते उच्चतमे (iv)
परिपूर्णं सौन्दर्यं मया दृष्टं तं च प्रति नत	म अपि।
पारतः हिमान्जादितान् (१११)	
	ोन महयम् पदमपुरस्कारं प्रदत्तं शासनेन । अहमतीव पसन्नास्मि ।
ब्रुवेष्ये मिलित्वा (ix) कथयिष्यामि।	A A A SWIN NAME OF THE PARTY OF
	तव (x) ·····
	बछेन्द्रीपार
मञ्जूषा	
पवताराहा, सखा, कानेष्ठ, हिमालयस्य सम विपनम	न मंत्री विकास प्रतिस्थित क्रिका
पर्वतारोही, सखी, किनष्ठे, हिमालयस्य, मम, शिखरा नवान् मानवः नवदिल्ल्याः एकस्मिन् विद्यालये पटित । भवान् जयपुर-ि वर्णनं कुर्वन् पत्रं लिखितुमिच्छिति । तत्पत्रं मञ्जूषायाः उचितैः पदैः व	नेवासिनी स्वाननां पति दिल्लीनगरे मानिनस्य गणनन्दिनसम्बद्धाने
नवान् मानवः नवदिल्ल्याः एकस्मिन् विद्यालये पठति । भवान जयपर-ि	नेवासिनीं स्वानुजां प्रति दिल्लीनगरे मानितस्य गणतन्त्रदिवससमारोहरू सम्पूर्य पुनर्लिखतु भवान्— छात्रावार (i)
न्बान् मानवः नवदिल्ल्याः एकस्मिन् विद्यालये पठति । भवान् जयपुर-ि वर्षनं कुर्वन् पत्रं लिखितुमिच्छति । तत्पत्रं मञ्जूषायाः उचितैः पदैः व	नेवासिनीं स्वानुजां प्रति दिल्लीनगरे मानितस्य गणतन्त्रदिवससमारोहरू सम्पूर्य पुनर्लिखतु भवान्– छात्रावार (i)
न्त्रान् मानवः नवदिल्ल्याः एकस्मिन् विद्यालये पठति । भवान् जयपुर-ि र्णनं कुर्वन् पत्रं लिखितुमिच्छति । तत्पत्रं मञ्जूषायाः उचितैः पदैः व वै (ब्रि)	नेवासिनीं स्वानुजां प्रति दिल्लीनगरे मानितस्य गणतन्त्रदिवससमारोहरू सम्पूर्य पुनर्लिखतु भवान्— छात्रावार (i)
नवान् मानवः नवदिल्ल्याः एकस्मिन् विद्यालये पठति । भवान् जयपुर-ि वर्षनं कुर्वन् पत्रं लिखितुमिच्छति । तत्पत्रं मञ्जूषायाः उचितैः पदैः व वे (म) ———————————————————————————————————	नेवासिनीं स्वानुजां प्रति दिल्लीनगरे मानितस्य गणतन्त्रदिवससमारोहस् सम्पूर्य पुनर्लिखतु भवान्— छात्रावास (i)
नवान् मानवः नवदिल्ल्याः एकस्मिन् विद्यालये पठति । भवान् जयपुर-ि वर्णनं कुर्वन् पत्रं लिखितुमिच्छति । तत्पत्रं मञ्जूषायाः उचितैः पदैः व व्ये (थ्) ————————————————————————————————————	नेवासिनीं स्वानुजां प्रति दिल्लीनगरे मानितस्य गणतन्त्रदिवससमारोहस् सम्पूर्य पुनर्लिखतु भवान्— छात्रावास (i)
वान् मानवः नवदिल्ल्याः एकस्मिन् विद्यालये पठति । भवान् जयपुर-ि विने कुर्वन् पत्रं लिखितुमिच्छति । तत्पत्रं मञ्जूषायाः उचितैः पदैः व वे (ii) मानवि, व्युमती भव । धुनैव कतिचित् दिनेभ्यः प्राक् एव सम्पूर्णेन (iii)	नेवासिनीं स्वानुजां प्रति दिल्लीनगरे मानितस्य गणतन्त्रदिवससमारोहस् सम्पूर्य पुनर्लिखतु भवान् - छात्रावार (i)
वान् मानवः नवदिल्ल्याः एकस्मिन् विद्यालये पठति । भवान् जयपुर-ि विविद्यालये प्रति । तत्पत्रं मञ्जूषायाः उचितैः पदैः व वे (ii) ——————————————————————————————————	नेवासिनीं स्वानुजां प्रति दिल्लीनगरे मानितस्य गणतन्त्रदिवससमारोहस् सम्पूर्य पुनर्लिखतु भवान् — छात्रावास (i) — नवदिल तिथिः — सर्वकारेण गणतन्त्रदिवसः समारोहः (iv) — यत्र प्रदर्शिता आसीत् तत्रैव सांस्कृतिय्
विद्यालये पठित । भवान् जयपुर-ि विद्यालये पठित । भवान् जयपुर-ि विद्यालये पत्रं लिखितुमिच्छति । तत्पत्रं मञ्जूषायाः उचितैः पदैः व विद्यालये भव । व्यालयाः प्राक् एव सम्पूर्णेन (iii) —————————————————————————————————	नेवासिनीं स्वानुजां प्रति दिल्लीनगरे मानितस्य गणतन्त्रदिवससमारोहस् सम्पूर्य पुनर्लिखतु भवान् छात्रावार (i) नवदिल तिथिः नवदिल राष्ट्रियाः सर्वकारेण गणतन्त्रदिवसः समारोहः (iv) यत्र प्रदर्शिता आसीत् तत्रैव सांस्कृतिक (vi) सित अत्रैव लोकसभा, राज्यसभा, केर्न्य्र
वान् मानवः नवदिल्ल्याः एकस्मिन् विद्यालये पठति । भवान् जयपुर-ि विविद्यालये प्रति । तत्पत्रं मञ्जूषायाः उचितैः पदैः व विविद्यालये । स्विद्यालये । सम्पूर्णेन (iii)	नेवासिनीं स्वानुजां प्रति दिल्लीनगरे मानितस्य गणतन्त्रदिवससमारोहस् सम्पूर्य पुनर्लिखतु भवान्— छात्रावास् (i) ———————————————————————————————————
वान् मानवः नवदिल्ल्याः एकस्मिन् विद्यालये पठित । भवान् जयपुर-ि वर्गनं कुर्वन् पत्रं लिखितुमिच्छति । तत्पत्रं मञ्जूषायाः उचितैः पदैः व व्या उल्लासेन च मानितः । अस्मिन् समारोहे सम्पूर्णदेशस्य (प्र व्या उल्लासेन च मानितः । अस्मिन् समारोहे सम्पूर्णदेशस्य (प्र व्यागिकी चापि प्रगतिः स्वरूपञ्च प्रदर्शित जाते । दिल्ली देशस्य (विकारस्य कार्यालयाः, भारतद्वारं, राष्ट्रपतिभवनम् अनेके मन्त्रालय वर्षे भागम् गृहीतवन्तः । समारोहस्य कारणेन राष्ट्रपतिभवनात् भ स्मन् वर्षे भारतदेशस्य प्रगाइं मित्रं रूसदेशस्य (vii)	नेवासिनीं स्वानुजां प्रति दिल्लीनगरे मानितस्य गणतन्त्रदिवससमारोहस् सम्पूर्य पुनर्लिखतु भवान् — छात्रावास् (i) — नवदिल्ल तिथिः — यत्र प्रदर्शिता आसीत् तत्रैव सांस्कृतिव् (vi) — यत्र प्रदर्शिता आसीत् तत्रैव सांस्कृतिव् (vi) — सित अत्रैव लोकसभा, राज्यसभा, केर्न्य ताः च स्थिताः सन्ति । अतः ते सर्वे मन्त्रालयाः विभागाश्च अस्स् गरतद्वारपर्यन्तं मार्गं सविजयचतुष्पथं नववधूरिव सुसज्जितम् आसीत् - श्रीब्लादिमिरपृतिनमहाभागाः मख्यातिथिः रूपे आसन
वान् मानवः नवदिल्ल्याः एकस्मिन् विद्यालये पठित । भवान् जयपुर-िवर्गनं कुर्वन् पत्रं लिखितुमिच्छिति । तत्पत्रं मञ्जूषायाः उचितैः पदैः विद्यालये (यं) ————————————————————————————————————	नेवासिनीं स्वानुजां प्रति दिल्लीनगरे मानितस्य गणतन्त्रदिवससमारोहस् सम्पूर्य पुनर्लिखतु भवान्— छात्रावास (i) — नवदिल्ल तिथिः — तिथिः — सर्वकारेण गणतन्त्रदिवसः समारोहः (iv) — यत्र प्रदर्शिता आसीत् तत्रैव सांस्कृतिव (vi) — सति अत्रैव लोकसभा, राज्यसभा, केर्न्द्र गाः च स्थिताः सन्ति । अतः ते सर्वे मन्त्रालयाः विभागाश्च अस्मि गरतद्वारपर्यन्तं मार्गं सविजयचतुष्पथं नववधूरिव सुसज्जितम् आसीत् — श्रीब्लादिमिरपुतिनमहाभागाः मुख्यातिथिः रूपे आसन् ।नाञ्च (viii) — अभवत् । इमं कार्यक्रमं दृष्ट्
वान् मानवः नवदिल्ल्याः एकस्मिन् विद्यालये पठति । भवान् जयपुर-िक्नं कुर्वन् पत्रं लिखितुमिच्छति । तत्पत्रं मञ्जूषायाः उचितैः पदैः विद्यालये पत्रं पत्रं विद्यालये पत्रं प्रवेतः पदैः विद्यालये पत्रं पत्रं प्रवेतः पत्रं स्वालये प्रवेतः पत्रं स्वालये प्रवित्वः प्राक् एव सम्पूर्णेन (iii) व्याणिकी वापि प्रगतिः स्वरूपञ्च प्रदर्शिते जाते । दिल्ली देशस्य (विकारस्य कार्यालयाः, भारतद्वारं, राष्ट्रपतिभवनम् अनेके मन्त्रालयाः समारोहस्य कारणेन राष्ट्रपतिभवनात् भारतद्वारं समारोहस्य कारणेन राष्ट्रपतिभवनात् भारतद्वारं प्रागं प्रवेतिना ध्वजारोहणं कृतम् । तत्पश्चात् सेनायाः विभिन्नविभागाः सम्पर्दः अभिभूतः जातः । त्वमि दूरदर्शने अवश्यम् इमं (ix) विभिन्नविभागाः सम्पर्दः अभिभूतः जातः । त्वमि दूरदर्शने अवश्यम् इमं (ix) विभिन्नविभागाः	नेवासिनीं स्वानुजां प्रति दिल्लीनगरे मानितस्य गणतन्त्रदिवससमारोहस् सम्पूर्य पुनर्लिखतु भवान्— छात्रावास (i) — नवदिल्ल तिथिः — तिथिः — सर्वकारेण गणतन्त्रदिवसः समारोहः (iv) — यत्र प्रदर्शिता आसीत् तत्रैव सांस्कृतिव (vi) — सति अत्रैव लोकसभा, राज्यसभा, केर्न्द्र गाः च स्थिताः सन्ति । अतः ते सर्वे मन्त्रालयाः विभागाश्च अस्मि गरतद्वारपर्यन्तं मार्गं सविजयचतुष्पथं नववधूरिव सुसज्जितम् आसीत् — श्रीब्लादिमिरपुतिनमहाभागाः मुख्यातिथिः रूपे आसन् ।नाञ्च (viii) — अभवत् । इमं कार्यक्रमं दृष्ट्
वान् मानवः नवदिल्ल्याः एकस्मिन् विद्यालये पठति । भवान् जयपुर-िक्नं कुर्वन् पत्रं लिखितुमिच्छति । तत्पत्रं मञ्जूषायाः उचितैः पदैः विद्यालये पत्रं पत्रं विद्यालये पत्रं प्रवेतः पदैः विद्यालये पत्रं पत्रं प्रवेतः पत्रं स्वालये प्रवेतः पत्रं स्वालये प्रवित्वः प्राक् एव सम्पूर्णेन (iii) व्याणिकी वापि प्रगतिः स्वरूपञ्च प्रदर्शिते जाते । दिल्ली देशस्य (विकारस्य कार्यालयाः, भारतद्वारं, राष्ट्रपतिभवनम् अनेके मन्त्रालयाः समारोहस्य कारणेन राष्ट्रपतिभवनात् भारतद्वारं समारोहस्य कारणेन राष्ट्रपतिभवनात् भारतद्वारं प्रागं प्रवेतिना ध्वजारोहणं कृतम् । तत्पश्चात् सेनायाः विभिन्नविभागाः सम्पर्दः अभिभूतः जातः । त्वमि दूरदर्शने अवश्यम् इमं (ix) विभिन्नविभागाः सम्पर्दः अभिभूतः जातः । त्वमि दूरदर्शने अवश्यम् इमं (ix) विभिन्नविभागाः	नेवासिनीं स्वानुजां प्रति दिल्लीनगरे मानितस्य गणतन्त्रदिवससमारोहस् सम्पूर्य पुनर्लिखतु भवान्— छात्रावास् (i) ————————————————————————————————————
वान् मानवः नवदिल्ल्याः एकस्मिन् विद्यालये पठति । भवान् जयपुर-िवर्गनं कुर्वन् पत्रं लिखितुमिच्छति । तत्पत्रं मञ्जूषायाः उचितैः पदैः विद्यालये पत्रं विद्यालये पत्रं प्रदे विद्यालये पत्रं विद्यालये पत्रं विद्यालये पत्रं विद्यालये पत्रं विद्यालये प्रविद्यालये विद्यालये विद्यालये प्रविद्यालये प	नेवासिनीं स्वानुजां प्रति दिल्लीनगरे मानितस्य गणतन्त्रदिवससमारोहस् सम्पूर्य पुनर्लिखतु भवान्— छात्रावास (i) — नवदिल्ल तिथिः — तिथिः — सर्वकारेण गणतन्त्रदिवसः समारोहः (iv) — यत्र प्रदर्शिता आसीत् तत्रैव सांस्कृतिव (vi) — सति अत्रैव लोकसभा, राज्यसभा, केर्न्द्र गाः च स्थिताः सन्ति । अतः ते सर्वे मन्त्रालयाः विभागाश्च अस्मि गरतद्वारपर्यन्तं मार्गं सविजयचतुष्पथं नववधूरिव सुसज्जितम् आसीत् — श्रीब्लादिमिरपुतिनमहाभागाः मुख्यातिथिः रूपे आसन् ।नाञ्च (viii) — अभवत् । इमं कार्यक्रमं दृष्ट्
विद्यालयः नवदिल्ल्याः एकस्मिन् विद्यालये पठित । भवान् जयपुर-िव्यन्ते कुर्वन् पत्रं लिखितुमिच्छति । तत्पत्रं मञ्जूषायाः उचितैः पदैः विद्यालये पत्रं स्वाप्तं कुर्वन् पत्रं लिखितुमिच्छति । तत्पत्रं मञ्जूषायाः उचितैः पदैः विद्यालयां भव । प्रवित्रं कितिचित् दिनेभ्यः प्राक् एव सम्पूर्णेन (iii) प्रवित्रं कितिचित् च मानितः । अस्मिन् समारोहे सम्पूर्णिदेशस्य (प्रवित्रं कार्येन सम्पूर्णितभवनात् भव्यालयाः, भारतद्वारं, राष्ट्रपतिभवनम् अनेके मन्त्रालयाः । समारोहस्य कारणेन राष्ट्रपतिभवनात् भव्यालयं भारतदेशस्य प्रगाढं मित्रं कसदेशस्य (vii)	नेवासिनीं स्वानुजां प्रति दिल्लीनगरे मानितस्य गणतन्त्रदिवससमारोहस् सम्पूर्य पुनिलंखतु भवान् छात्रावास् (i) नवदिल्ल तिथिः जिथेः यत्र प्रदर्शिता आसीत् तत्रैव सांस्कृतिः (vi) सित अत्रैव लोकसभा, राज्यसभा, केर्न्द्र गाः च स्थिताः सन्ति । अतः ते सर्वे मन्त्रालयाः विभागाश्च अस्मारतद्वारपर्यन्तं मार्गं सविजयचतुष्पथं नववधूरिव सुसज्जितम् आसीत् श्रीब्लादिमिरपुतिनमहाभागाः मुख्यातिथिः रूपे आसन् । नाज्य (viii) अभवत् । इमं कार्यक्रमं दृष्ट् पश्येः, इति आशास्ये ।

्रश्वती गरिवा। भवत्याः सखी विश्व गायन-प्रतियोगितायाम् प्रथमं स्वानं प्राप्तवती। तस्यै लिखिते वर्षापनपत्रे मञ्जूषातः रिकारवानाि पुरिक्षा पत्रं पुनः जनस्पुरितकायां तिखत- हित्रांकः हित्रा	, _{भवती} गरिमा । भवत्याः सखी चित्रा गायन–प्रतियोगितायाम् प्रथमं _{पूर्यय} त्वा पत्रं पुनः उत्तरपुस्तिकायां लिखत–	स्थानं प्राप्तवती। तस्यै लिखिते वर्धापनपत्रे मञ्जूषातः रिक्तस्थानानि
हुम (गे पर्वा पत्र पुत्रः जतस्युस्तकाया सिखत- हुम (गे पर्वा कर्मानमः । समावारपञ्जेण ज्ञातम् यत् भवती राष्ट्रिय-गायन-प्रतियोगितायाम् (गं) स्थानम् प्राप्तवती, पटिल्वा अतीव (गं) अनुभवामि । त्यया वाल्यकालात् एव (गः) गृहीता नित्यम् च (गः) कृतः, इति अहम् जानामि । अनेकाः विपरीत-परिस्थितयः अपि लया (गः) । अय तव परिश्रमस्य आत्मविश्वासस्य य हिजयः अभवत् । सफलतायाः प्रथमं (गः) भवत्या आरूतः । अस्तन् अवसरे मम (गःगः) स्थीकरोत्, प्रविष्ये अपि एवम् एव सफला मवेत्, इयं कामना अस्ति । स्विपत्रोः सेवायाम् मम (गः) निवेदयतु । भवत्याः सखी (प्र) पश्चमः प्रसन्नताम्, अभ्यासः, सोपानम्, प्रथमम्, ग्रारमाः, चित्रेः, अभिवादनम्, सोझः, संगीतिशिक्षा, वर्धापनम् परिसायनम् परिसायनम् हिन्नं प्रति स्वविद्यालयस्य वार्षिकोत्सवं वर्णयन् लिखितं पत्रं मञ्जूषायां प्रदतः पदैः पूरितत्वा लिखत— (गः) किशुकः ! हिमें अस्ति स्वविद्यालये (गः) आसीत् । तस्य (गः) तव प्रसन्नतायै लिखामि । तिसम् (गः) अभवत् । तस्मन् मण्डपे (गः) वालैः (गःगः) ग्राप्ताः तदनन्ततः प्राचार्येण विद्यालयिवरण् (गः) अभवत् । तस्मन् मण्डपे (गः) वालैः (गःगः) ग्राप्ताः तदनन्ततः प्राचार्येण विद्यालयिवरण् (मः) भवतः सस्ति प्रयमम् अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूपेणः तम् । सर्वं सुसम्पन्नं जातम् । सर्नेहं भविन्त्रमः	पूरियत्वा पत्रं पुनः उत्तरपुस्तिकायां लिखत-	
त्रिव (i)		
हाव (i) ———————————————————————————————————		चण्डीगढतः
तभ्रेम नमीनमः। तमावारपत्रेण ज्ञातम् यत् भवती राष्ट्रिय-गायन-प्रतियोगितायाम् (ii) स्थानम् प्राप्तवती, पठित्वा अतीव (iii) अनुमवामि। त्या वाल्यकालात् एव (iv) गृहीता नित्यम् च (v) कृतः, इति अहम् जानामि। अनेकाः विपरीत-परिस्थितयः अपि त्या (vi) । अद्य तव परिश्रमस्य आत्मविश्वासस्य च व्रिजवः अभवत्। सफलतायाः प्रथमं (vii) भवत्या आस्तः। अस्ति। अस्तिम् अवसरे मम (viii) निवेदयत्। स्वीकरीत्, भविष्ये अपि एवम् एव सफला भवेत्, इयं कामना अस्ति। स्विपत्रोः सेवायाम् मम (ix) विवेदयत्। भवत्याः सर्वी (x) प्रसन्ताम्, अभ्यासः, सोपानम्, प्रथमम्, गरिमाः, चित्रे!, अभिवादनम्, सोद्राः, संगीतिशिक्षा, वर्धापनम् परिक्षाभवनम् परीक्षाभवनम् विनं प्रते स्वविद्यालयस्य वार्षिकोत्सवं वर्णयन् लिखितं पत्रं मञ्जूषायां प्रदेतैः पदैः पूर्वित्वा लिखत— (i) किशुक! सप्रेम नमस्कारः। गते विने अस्माकं विद्यालये (ii) आसीत्। तस्य (iii) तत्य (iii) तव प्रसन्ततिये लिखामि। तिसम् (iv) विद्यालयः वधूरिव (v) । प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनिना (vi) अभवत्। तस्मिन् मण्डपे (vii) वालैः (viii) गीता। तदा शारीकिकार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत्। सांस्कृतिक-कार्यक्रमः अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत्। तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविवरणं (ix) वितरितानि। अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहमितं धनं दानरूपेण सत्ने। सर्वं सुसम्पन्नं जातम्।		दिनांकः
तभ्रेम नमीनमः। तमावारपत्रेण ज्ञातम् यत् भवती राष्ट्रिय-गायन-प्रतियोगितायाम् (ii) स्थानम् प्राप्तवती, पठित्वा अतीव (iii) अनुमवामि। त्या वाल्यकालात् एव (iv) गृहीता नित्यम् च (v) कृतः, इति अहम् जानामि। अनेकाः विपरीत-परिस्थितयः अपि त्या (vi) । अद्य तव परिश्रमस्य आत्मविश्वासस्य च व्रिजवः अभवत्। सफलतायाः प्रथमं (vii) भवत्या आस्तः। अस्ति। अस्तिम् अवसरे मम (viii) निवेदयत्। स्वीकरीत्, भविष्ये अपि एवम् एव सफला भवेत्, इयं कामना अस्ति। स्विपत्रोः सेवायाम् मम (ix) विवेदयत्। भवत्याः सर्वी (x) प्रसन्ताम्, अभ्यासः, सोपानम्, प्रथमम्, गरिमाः, चित्रे!, अभिवादनम्, सोद्राः, संगीतिशिक्षा, वर्धापनम् परिक्षाभवनम् परीक्षाभवनम् विनं प्रते स्वविद्यालयस्य वार्षिकोत्सवं वर्णयन् लिखितं पत्रं मञ्जूषायां प्रदेतैः पदैः पूर्वित्वा लिखत— (i) किशुक! सप्रेम नमस्कारः। गते विने अस्माकं विद्यालये (ii) आसीत्। तस्य (iii) तत्य (iii) तव प्रसन्ततिये लिखामि। तिसम् (iv) विद्यालयः वधूरिव (v) । प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनिना (vi) अभवत्। तस्मिन् मण्डपे (vii) वालैः (viii) गीता। तदा शारीकिकार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत्। सांस्कृतिक-कार्यक्रमः अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत्। तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविवरणं (ix) वितरितानि। अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहमितं धनं दानरूपेण सत्ने। सर्वं सुसम्पन्नं जातम्।		
समावारपत्रेण ज्ञातम् यत् भवती राष्ट्रिय-गायन-प्रतियोगितायाम् (ii) स्थानम् प्राप्तवती, पठित्वा अतीव (iii) अनुभवामि । त्या वाल्यकालात् एव (iv) पृष्ठीता नित्यम् च (v) कृतः, इति अहम् जानामि । अनेकाः विपरीत-परिस्थितयः अपि त्या (vi) । अद्य तव परिश्रमस्य आत्मविश्वासस्य च विजवः अभवत् । सफलतायाः प्रथमं (vii) भवत्या आरूढम् । अस्मन् अवसरे मम (viii) निवेदयत् । स्वीकरीत्, भविष्ये अपि एवम् एव सफला भवेत्, इयं कामना अस्ति । स्विपत्रोः सेवायाम् मम (ix) । निवेदयत् । भवत्याः सखी (x) । पञ्जूषा प्रसन्नताम्, अभ्यासः, सोपानम्, प्रथमम्, गरिमाः, चित्रे !, अभिवादनम्, सोद्राः, संगीतिशिक्षा, वर्धापनम् । परीक्षाभवनम् परीक्षाभवनम् दिनांकः । गते व्रमन्नताये लिखामि । तिसम् (iv) विद्यालयं (ii) आसीत् । तस्य (iii) तस्य (iii) तत्व प्रसन्नताये लिखामि । तिसम् (iv) अभवत् । तस्मिन् मण्डपे (vii) वालैः (viii) गीता । तदा शारीरिककार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत् । सांस्कृतिक-कार्यक्रमः अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत् । तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविवरण (ix) वितरितानि । अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहमितं धनं दानरूपेण सत्तम् । सर्वं सुसम्पन्नं जातम् ।		
(ii) अनुभवामि । त्वया बाल्यकालाल् एव (iv) गृहीता नित्यम् च (v) कृतः, इति अहम् जानामि । अनेकाः विपरीत-परिस्थितयः अपि त्वया (vi) ॥ शव तव परिश्रमस्य आत्मविश्वासस्य च विज्ञवः अभवत्। सफलतायाः प्रथमं (vii) ॥ भवत्या आरूढम् । अस्मिन् अवसरे मम (viii) ॥ निवेदयत् । भवत्याः सखी ॥ भवत्याः चर्षातः पर्तः पदैः पूर्यवत्या लिखतः । धर्माम् परिश्राभवनम् । परिश्राभवनम् । दिनांकः ॥ भवत्याः चर्षात्यः वर्धात्यः वर्धात्यः वर्धात्यः (iii) ॥ परिश्राभम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनिना । भिण्यः भवत्यत् । तस्मन् मण्डपे (vii) ॥ भवत्यः प्रथाः भवति । अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनिना । भवतितितानि । अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूपेण । योग्यछात्रेम्यः (x) ॥ वितितितानि । अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूपेण वत्तित्तानि । अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूपेण वत्तम् । सत्ते सुसस्पन्तं जातम् ।		
इति अहम् जानामि । अनेकाः विपरित-परिस्थितयः अपि त्वया (vi) । अद्य तव परिश्रमस्य आत्मविश्वासस्य च विजयः अभवत् । सफलतायाः प्रथमं (vii)		
विजयः अभवत् । सफलतायाः प्रथमं (vii)		
स्त्रीकरोतु, भविष्ये अपि एवम् एव सफला भवेत्, इयं कामना अस्ति । स्विपत्रोः सेवायाम् मम (ix)		
भवत्याः सखी (x)। मञ्जूषा प्रसन्नताम्, अभ्यासः, सोपानम्, प्रथमम्, गरिमाः, वित्रे!, अभिवादनम्, सोद्धाः, संगीतिशिक्षा, वर्धापनम् पित्रं प्रति स्विवद्यालयस्य वार्षिकोत्सवं वर्णयन् लिखितं पत्रं मञ्जूषायां प्रदतैः पूरियत्वा लिखत— (i) किंशुक! सप्रेम नमस्कारः। गते दिने अस्माकं विद्यालये (ii) आसीत्। तस्य (iii) तव प्रसन्नतायै लिखामि। तिसन् (iv) विद्यालयः वधूरिव (v) । प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनिना (vi) अभवत्। तिस्मन् मण्डपे (vii) वालैः (viii) गीता। तदा शारीरिककार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत्। सांस्कृतिक-कार्यक्रमः अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत्। तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविवरणं (ix) वितरितानि। अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूपेण दत्तम्। सर्वं सुसम्पन्नं जातम्। सस्नेहं भवनिमत्रम्		
प्रसन्नताम्, अभ्यासः, सोपानम्, प्रथमम्, गरिमाः, वित्रे!, अभिवादनम्, सोद्धाः, संगीतिशिक्षा, वर्धापनम् प्रित्रं प्रति स्विवयालयस्य वार्षिकोत्सवं वर्णयन् लिखितं पत्रं मञ्जूषायां प्रदतैः पूरियत्वा लिखत— (i) किंशुक! स्प्रेम नमस्कारः। गते दिने अस्माकं विद्यालये (ii) आसीत्। तस्य (iii) तव प्रसन्नतायै लिखामि। तिसम् (iv) विद्यालयः वधूरिव (v) । प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनिना (vi) अभवत्। तिस्मन् मण्डपे (vii) वालैः (viii) गीता। तदा शारीरिककार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत्। सांस्कृतिक-कार्यक्रमः अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत्। तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविवरणं (ix) वितरितानि। अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूपेण तत्म्। सर्वं सुसम्पन्नं जातम्। सस्नेहं भवन्मित्रम्	स्वकरातु, भावष्य आप एवम् एवं सफला भवेत्, इयं कामना आ	
प्रसन्नताम्, अभ्यासः, सोपानम्, प्रथमम्, गरिमाः, चित्रे!, अभिवादनम्, सोद्धाः, संगीतिशिक्षा, वर्धापनम् पित्रं प्रति स्वविद्यालयस्य वार्षिकोत्सवं वर्णयन् लिखितं पत्रं मञ्जूषायां प्रदतैः पदैः पूरियत्वा लिखत— [CBSE 2014] परीक्षाभवनम् दिनांकः (i) किंशुकः! सप्रेम नमस्कारः। गते दिने अस्माकं विद्यालये (ii) विद्यालयः वधूरिव (v) विद्यालयः वधूरिव (v) प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनिना (vi) अभवत्। तस्मिन् मण्डपे (vii) वौत्तः (viii) गीता। तदा शारीरिककार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत्। सांस्कृतिक-कार्यक्रमः अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत्। तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविवरणं (i) वितरितानि। अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूपेण दत्तम्। सर्वं सुसम्पन्नं जातम्। सरनेहं भवन्मित्रम्		
प्रसन्नताम्, अभ्यासः, सोपानम्, प्रथमम्, गरिमाः, वित्रे!, अभिवादनम्, सोद्धाः, संगीतिशिक्षा, वर्धापनम् पित्रं प्रति स्विद्यालयस्य वार्षिकोत्सवं वर्णयन् लिखितं पत्रं मञ्जूषायां प्रदतैः पदैः पूरियत्वा लिखत— (i) किशुक! सप्रेम नमस्कारः। गते दिने अस्माकं विद्यालये (ii) आसीत्। तस्य (iii) तव प्रसन्नतायै लिखामि। तिस्मन् (iv) विद्यालयः वधूरिव (v) । प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्विनना (vi) अभवत्। तरिमन् मण्डपे (vii) वातैः (viii) गीता। तदा शारीरिककार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत्। सांस्कृतिक-कार्यक्रमः अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत्। तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविवरणं (ix) योग्यछात्रेभ्यः (x) वितरितानि। अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूपेण		
मित्रं प्रति स्वविद्यालयस्य वार्षिकोत्सवं वर्णयन् लिखितं पत्रं मञ्जूषायां प्रदतैः पदैः पूरियत्वा लिखत— [CBSE 2014] परीक्षाभवनम् दिनांकः (i) किंशुकः! सप्रेम नमस्कारः। गते दिने अस्माकं विद्यालये (ii) आसीत्। तस्य (iii) तव प्रसन्नतायै लिखामि। तिस्मन् (iv) विद्यालयः वधूरिव (v) । प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनिना (vi) अभवत्। तिस्मन् मण्डपे (vii) वालैः (viii) गीता। तदा शारीरिककार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत्। सांस्कृतिक-कार्यक्रमः अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत्। तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविवरणं (ix) वितरितानि। अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूपेण दत्तम्। सर्वं सुसम्पन्नं जातम्। सस्नेहं भवन्मित्रम्	मञ्	नूषा
परीक्षाभवनम् दिनांकः	प्रसन्नताम्, अभ्यासः, सोपानम्, प्रथमम्, गरिमाः, वि	चेत्रे!, अभिवादनम्, सोढ़ाः, संगीतिशक्षा, वर्धापनम्
परीक्षाभवनम् दिनांकः		
(i) किशुक! सप्रेम नमस्कार:। गते दिने अस्माकं विद्यालये (ii) आसीत्। तस्य (iii) तव प्रसन्नतायै लिखामि। तिसम् (iv) विद्यालयः वधूरिव (v) । प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्विनना (vi) अभवत्। तिसम् मण्डपे (vii) बालैः (viii) गीता। तदा शारीरिककार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत्। सांस्कृतिक-कार्यक्रमः अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत्। तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविवरणं (ix) वितरितानि। अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूपेण दत्तम्। सर्वं सुसम्पन्नं जातम्। सर्नेहं भविन्मत्रम्	ामत्र प्रात स्वावधालयस्य वाषिकात्सव वणयन् ।लाखत पत्र मञ्जू	
(i) किंशुक! सप्रेम नमस्कारः। गते दिने अस्माकं विद्यालये (ii) आसीत्। तस्य (iii) तव प्रसन्नतायै लिखामि। तिस्मन् (iv) विद्यालयः वधूरिव (v) । प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनिना (vi) अभवत्। तिस्मन् मण्डपे (vii) बालैः (viii) गीता। तदा शारीरिककार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत्। सांस्कृतिक-कार्यक्रमः अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत्। तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविवरणं (ix) वितरितानि। अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूपेण दत्तम्। सर्वं सुसम्पन्नं जातम्। सस्नेहं भवन्मित्रम्		
गते दिने अस्माकं विद्यालये (ii) आसीत्। तस्य (iii) तव प्रसन्नतायै लिखामि। तिस्मिन् (iv) विद्यालयः वधूरिव (v) । प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनिना (vi) अभवत्। तिस्मिन् मण्डपे (vii) बालैः (viii) गीता। तदा शारीरिककार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत्। सांस्कृतिक-कार्यक्रमः अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत्। तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविवरणं (ix) वितरितानि। अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूपेण दत्तम्। सर्वं सुसम्पन्नं जातम्।		दिनाकः
गते दिने अस्माकं विद्यालये (ii) आसीत्। तस्य (iii) तव प्रसन्नतायै लिखामि। तिस्मिन् (iv) विद्यालयः वधूरिव (v) । प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनिना (vi) अभवत्। तिस्मिन् मण्डपे (vii) बालैः (viii) गीता। तदा शारीरिककार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत्। सांस्कृतिक-कार्यक्रमः अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत्। तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविवरणं (ix) वितरितानि। अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूपेण दत्तम्। सर्वं सुसम्पन्नं जातम्।		A STATE OF THE PARTY OF THE PAR
गते दिने अस्माकं विद्यालये (ii) आसीत्। तस्य (iii) तव प्रसन्नतायै लिखामि। तिस्मन् (iv) विद्यालयः वधूरिव (v) । प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनिना (vi) अभवत्। तिस्मन् मण्डपे (vii) बालैः (viii) गीता। तदा शारीरिककार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत्। सांस्कृतिक-कार्यक्रमः अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत्। तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविवरणं (ix) वितरितानि। अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूपेण दत्तम्। सर्वं सुसम्पन्नं जातम्। सस्नेहं भवन्मित्रम्		
तिसम् (iv) प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्विनना (vi) अभवत् । तिसम् मण्डपे (vii) वातैः (viii) वातैः (viii) गीता । तदा शारीरिककार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत् । सांस्कृतिक-कार्यक्रमः अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत् । तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविवरणं (ix) वितरितानि । अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूपेण दत्तम् । सर्वं सुसम्पन्नं जातम् । सस्नेहं भवन्मित्रम्	(i) किंशुक!	
(vi) अभवत् । तस्मिन् मण्डपे (vii) वालैः (viii) लालेः (viii) गीता । तदा शारीरिककार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत् । सांस्कृतिक-कार्यक्रमः अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत् । तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविवरणं (ix) वितरितानि । अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूपेण दत्तम् । सर्वं सुसम्पन्नं जातम् । सस्नेहं भवन्मित्रम्	सप्रेम नमस्कारः।	
शारीरिककार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत्। सांस्कृतिक-कार्यक्रमः अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत्। तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविवरणं (ix) वितरितानि। अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूपेण दत्तम्। सर्वं सुसम्पन्नं जातम्। सस्नेहं भवन्मित्रम	सप्रेम नमस्कारः। गते दिने अस्माकं विद्यालये (ii)आ	
शारीरिककार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत्। सांस्कृतिक-कार्यक्रमः अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत्। तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविवरणं (ix) वितरितानि। अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूपेण दत्तम्। सर्वं सुसम्पन्नं जातम्। सस्नेहं भवन्मित्रम	सप्रेम नमस्कारः ।गते दिने अस्माकं विद्यालये (ii))। प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनि
(x) वितरितानि । अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूपेण दत्तम् । सर्वं सुसम्पन्नं जातम् । सस्नेहं भवन्मित्रम्	सप्रेम नमस्कारः ।गते दिने अस्माकं विद्यालये (ii))। प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनि
दत्तम् । सर्वं सुसम्पन्नं जातम् । सस्नेहं भवन्मित्रम्	गते दिने अस्माकं विद्यालये (ii))। प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनिः बातैः (viii)गीता । त
सस्नेहं भवन्मित्रम्	गते दिने अस्माकं विद्यालये (ii) आतिसम् विद्यालयः वधूरिव (v) विद्यालयः वधूरिव (v) (vi) अभवत् । तस्मिन् मण्डपे (vii) आरीरिककार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत् । सांस्कृतिक-कार्यक्रम) प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनिन् बातैः (viii) गीता । त अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत् । तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविवन्
	गते दिने अस्माकं विद्यालये (ii) आविद्यालयः वधूरिव (v) तिसम् (iv) अभवत् । तिसम् मण्डपे (vii) शारीरिककार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत् । सांस्कृतिक-कार्यक्रम (ix) । योग्यछात्रेभ्यः (x)) प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनिन् बातैः (viii) गीता । त अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत् । तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविवन्
	गते दिने अस्माकं विद्यालये (ii) आविद्यालयः वधूरिव (v) तिसम् (iv) अभवत् । तिसम् मण्डपे (vii) शारीरिककार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत् । सांस्कृतिक-कार्यक्रम (ix) । योग्यछात्रेभ्यः (x)) प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनिन् बालैः (viii) गीता। त अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत्। तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविवन् वितरितानि। अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूपे
	गते दिने अस्माकं विद्यालये (ii) आविद्यालयः वधूरिव (v) तिसम् (iv) अभवत्। तिसम् मण्डपे (vii) शारीरिककार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत्। सांस्कृतिक-कार्यक्रम) प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनिक् बालैः (viii) गीता। त अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत्। तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविक् वितरितानि। अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूषे सस्नेहं भवन्मि
मञ्जूषा	गते दिने अस्माकं विद्यालये (ii) जातिसम् विद्यालयः वधूरिव (v) तिसम् (iv) जभवत् । तिसम् मण्डपे (vii) जभवत् । तिसम् मण्डपे (vii) जभवत् । तिसम् मण्डपे (vii) जभवत् । सांस्कृतिक-कार्यक्रम (ix) । योग्यछात्रेभ्यः (x) विद्यालयः वधूरिव (v) तिसम् मण्डपे (vii) जभवत् । योग्यछात्रेभ्यः (x) वित्तम् । सर्वं सुसम्पन्नं जातम् ।) प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनिक् बालैः (viii) गीता। त अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत्। तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविक् वितरितानि। अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूषे सस्नेहं भवन्मि राकेश
स्वागतम्, भूषितः, दिने, प्रियमित्र, विवरणम्, वार्षिकोत्सवः, पारितोषिकाणि, प्रस्तुतम्, स्वागतगीतिका, प्राप्ते	सप्रेम नमस्कारः। गते दिने अस्माकं विद्यालये (ii) विद्यालयः वधूरिव (v) तिस्मन् (iv) अभवत्। तिस्मन् मण्डपे (vii) आशारीरिककार्यक्रमः अतीव प्रभावी आसीत्। सांस्कृतिक-कार्यक्रम (ix) योग्यछात्रेभ्यः (x)) प्रथमम् अध्यक्षमहोदयस्य सुमधुरध्वनिक् बालैः (viii) गीता। त अपि अतीव प्रेरणादयी आसीत्। तदनन्तरं प्राचार्येण विद्यालयविक् वितरितानि। अध्यक्षमहोदयेन पञ्चसहस्रमितं धनं दानरूषे सस्नेहं भवन्मि राकेश



French

- Describe the difference between french and Indian education system
- Describe french political system (including all french political parties)

Vocational Subject

• Design a Chart on any topic of Self Management/ ICT Skills.

INDIA INTERNATIONAL SCHOOL SITAPURA JAIPUR SUMMER HOLIDAY HOMEWORK

CLASS - 10

English

- Each student has to submit an individual project report/script/ essay in about 1000 words on any one of the following
 - a.) Contemporary social issues
 - b.) Interview based research with a proper questionnaire.
 - c.) Listen to podcasts/interviews/radio or TV documentary and prepare a report, countering or agreeing with the speakers.

IMPORTANT -

- This is for assessment and evaluation for 10 marks. The submission should be in a file having A4 size sheets. THE PROJECT SHOULD BE HANDWRITTEN BY THE STUDENT. The project/report must include the following compulsorily-
 - 1. Cover Page, with title, name of the school, name, roll number, stream and class of the student.
 - 2. Statement of purpose/objective.
 - 3. Action plan/flow chart.
 - 4. Evidence/photos/material related to the topic
 - 5. Report/script/questionnaire in 1000 words
 - 6. Reflections
 - 7. List of resources/bibliography.

<u>Hindi</u>

- 1- विक्रम -बेताल की कहानियां(लेखक सोमदेव भट्ट की कहानियां पढ़िए व किसी एक कहानी पर आधारित सचित्र (कॉमिक निर्माण वर्णन करते हुए नैतिक मूल्य का भी वर्णन कीजिए।(A4 size sheet पर, Total sheet 7-8)
- 2. अपने घर की छत पर घर के बाहर आसपास पशु -पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था करिए व निम्न बिंद्ओं को वर्णन कीजिए -
- * कौन-कौन से पशु -पक्षी निरंतर आए।
- * अपने स्वयं के अंदर किस नैतिक मूल्य को आपने विकसित किया।

- * अपनी पसंदीदा पशु -पक्षी का चित्र खींचकर A4 साइज शीट पर चिपकाएँ व उससे संबंधित 7 से 8 पंक्तियां लिखिए।
- * किसी एक नैतिक मूल्य पर अनुच्छेद लिखिए । निर्देश - यह कार्य आप अपने डिजिटल पोर्टफोलियो में भी संलग्न करेंगे। बहुविध आकलन और स्ववृत (MAT & PORTFOLIO) के अंतर्गत उपरोक्त कार्य के अंक भी प्रदान किए जाएंगे।

Social Science

- Do Chapter 1 Civics notes.
- Prepare Project work.
- Locate and Label on India Map.

Science

• Complete the worksheets and question paper which will be sent on the WhatsApp group in A4 size sheets and submit. The internal marks will be given based on these.

Mathematics

- Lab Manual Activity -
 - 1).Basic Proportionality Theorem
 - 2). Area Related Theorem on Similar Triangles
 - 3). Pythagoras Theorem Above activities should be done in Lab Manual Activity Copy only. (Lab Manual Publisher-New Saraswati House)

Sanskrit

पाठ/विषय:- ट्याकरण व पाँठो पर आसारित नाम:- कक्षा:- दिनांक:-

- 2. सज्जनानां सम्पर्कः सत्संगतिः भवति । अस्मिन् संसारे सज्जनाः दुर्जनाः च द्विविधाः जनाः भवन्ति । दुर्जनस्य संगतिः दुरसंगतिः भवति । मनुष्यः संगतिं विना न तिष्ठति । या काऽपि संगतिः भवेत् इति अनिवार्यम् परम् उभयोः सत्संगत्योः महद् अन्तरम् । संगतिः पोषिका दुस्संगतिश्च नाशिका इति भेदः । कोऽपि विचारवान् नाशं न इच्छति, पोषणं तु इच्छति, तेन सत्संगतिः एव वरतरा अस्ति । सज्जनपुरुषाः कैश्चिद् गुणैः सज्जनाः भवन्ति नाऽन्यथा । तस्मात् सज्जनसंगत्या मनुष्ये गुणानां कृते स्पृहा वर्धते । ते गुणान् अभिनन्दन्ति ।
 - I. एकपदेन उत्तरत-
 - (i) कः संगतिं विना न तिष्ठति?
 - (ii) विचारवान् किं न इच्छति?
 - II. पूर्णवाक्येन उत्तरत-
 - (i) सत्संगतिः एव वरतरा कथम् अस्ति?
 - (ii) उभयोः संगत्योः कः भेदः?
 - III. भाषिककार्यम्-
 - (i) अनुच्छेदे आगतस्य 'ते' इति कर्तृपदस्य क्रियापदं किम् आगतम्?
 - (ii) अनुच्छेदे 'वरतरा' इति विशेषणपदस्य कः विशेष्यः प्रयुक्तः?
 - (iii) 'दुर्जना': इति पदस्य विपरीतार्थकं पदम् अत्र किम्?
 - IV. अस्य गद्यांशस्य उचितं शीर्षकं लिखत।
- 3. भारतीयजनानां पाश्चात्यं प्रति महत् आकर्षणम् आसीत्, अस्ति, भविष्यति अपि च । विचारणीयः विषयः तु अयमेव अस्ति यत् किमर्थं जनाः पाश्चात्यं प्रति आकर्षिताः भवन्ति? किं स्वदेशे सर्वसुविधाः न सन्ति? किं कारणम् अत्र? अत्रापि आवासव्यवस्था तादृशी एव उत्तमा अस्ति यादृशी अन्येषु देशेषु च । कदा सः कालः आगमिष्यिति यदा जनाः विदेशगमनस्य इच्छां त्यक्त्वा स्वदेशे एव तिष्ठन्तः स्वज्ञानस्य प्रयोगं कृत्वा देशम् उन्नेष्यन्ति । देशः तु मातुः इव भवति । यः सर्वेभ्यः सर्वदा यच्छति एव अपेक्षते किञ्चिदिप न । अतः देशस्य सम्मानम् अपि तादृशमेव भवेत् यादृशं मातुः सम्मानं भवति । अतः कथ्यते—"जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादिप गरीयसी ।"

 [CBSE 2014 Mod.]
 - I. एकपदेन उत्तरत-
 - (i) के पाश्चात्यं प्रति आकर्षिताः सन्ति?
 - (ii) सम्प्रति कुत्र गमनाय भारतीयजनानां महती इच्छा अस्ति?
 - II. पूर्णवाक्येन उत्तरत-
 - (i) कः विचारणीयः विषयोऽस्ति?
 - (ii) जनाः कदा देशम् उन्नेष्यन्ति?

. एकिस्मिन् ग्रामे एकः वृद्धः वसित स्म । तस्य त्रयः पुत्राः आसम् । त्रयोऽपि पुत्राः बुद्धिमन्तः आसन् । तथापि सः वृद्धः निश्चयम् अकरोत् यत् सः स्वक्षेत्रम्, भूमिं धनस्वाणीदिकम् च तस्मै एव दास्यित यः सर्वाधिकः बुद्धिमान् सिद्धः भविष्यति । एकिस्मिन् दिवसे सः वृद्धः सर्वान् पुत्रान् आहूय उक्तवान्—''हे पुत्राः! यष्मासु यः मम कक्षं सर्वं पूर्यत् अहं तस्मै स्वसम्पत्तिं दास्यामि । यूयं सर्वे एव बुद्धिमन्तः स्थ । गच्छत, प्रयासं च कुरुत ।'' तदा ज्येष्ठः पुत्रः एकां शकटिकां पूरययित्वा कार्पासम् आनयत्, परं एतेन तु कक्षस्य एकः एव भागः पूरितः जातः । कितिपयदिवसपर्यन्तं विचार्य मध्यमः पुत्रः एकिस्मिन् दिने शुष्क-तृणानि आनीय कक्षे स्थापितवान् । परम् एतेन अपि कक्षः रिक्तः एव जातः । अन्ते किनिष्ठस्य पुत्रस्य वारः आसीत् । सः क्षणं विचिन्त्य एकं दीपकम् आनीय तं दीपकं च प्रज्ज्वितवान् । दीपकस्य प्रकाशेन समग्रः कक्षः शीघ्रम् एव पूरितः जातः । प्रकाशमयं कक्षं दृष्ट्वा प्रसन्नः च भूत्वा जनकः सर्वां सम्पत्तिं तस्मै अददात् । (CBSE 2012 Mod.)

I. एकपदेन उत्तरत-

- (i) कस्य प्रकाशेन समग्रः कक्षः पूरितः जातः?
- (ii) वृद्धस्य कति पुत्राः आसन्?

II. पूर्णवाक्येन उत्तरत-

- (i) वृद्धः पुत्रान् आहूय किमकथयत्?
- (ii) कनिष्ठः पुत्रः किम् अकरोत्?

III. भाषिककार्यम्-

- (i) 'स्थापितवान्' इति क्रियापदस्य गद्यांशे कर्तृपदं किम् अस्ति?
- (ii) 'सम्पूर्णः' इति पदस्य पर्यायपदं चित्वा लिखत।
- (iv) 'दीपकम्' इति पदस्य किं विशेषणपदम्?

IV. अस्य गद्यांशस्य उचितं शीर्षकं लिखत।

क्रोधः मनुष्यस्य महान् शत्रुः। कुद्धः जनः गुरून् अपि निन्दति, अपभाषणं करोति, ज्येष्ठानां हितवचनानि अपि न शृणोति। तस्माद् वयं क्रोधे सावधानाः भवेम। यदि क्रोधः आगच्छति तदा तस्मिन् एव क्षणे मौनं धारणीयम्। मौनेन मनः शान्तं भवति। वाणी अपि नियन्त्रिता भवति। इंदृशे काले किञ्चित् पुस्तकं गृहीत्वा पठेम। कोपात् सर्वदा आत्मानं रक्षेम।

एकपदेन उत्तरत–

- (i) क्रोधे आगते किं धारणीयम्?
- (ii) कुद्धः जनः केषां हितवचनानि न शृणोति?

II. पूर्णवाक्येन उत्तरत-

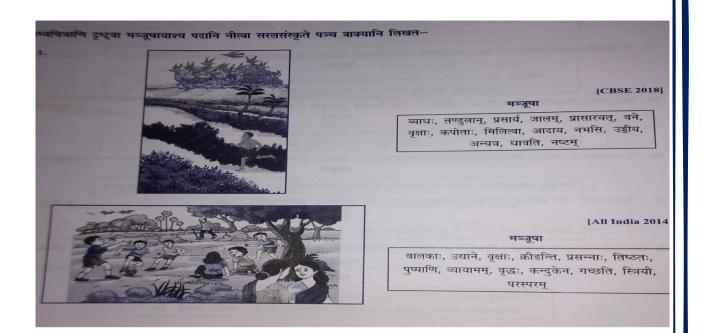
- (i) मनुष्यस्य महान् शत्रुः कः?
- (ii) मौनेन वाणी कीदृशी भवति?

III. भाषिककार्यम्-

- (i) 'क्रुद्धः' इति कस्य पदस्य विशेषणम्?
- (ii) 'भवेम' इति क्रियापदस्य किं कर्तृपदं गद्यांशे प्रयुक्तम्?
- (iii) 'असावधानाः' इति पदस्य किं विलोमपदम् अत्र प्रयुक्तम्?
- अस्य अनुच्छेदस्य कृते समुचितं शीर्षकं संस्कृतेन लिखत ।

इदं पत्रं लिखति । मञ्जूषायाः सहायतया इदं पत्रं पूरयतु भवान्-	विनयनगरम्
	(1)
	दिनाङ्कः
सेवायाम्,	
श्रीमन्तः (ii)	
विनयनगरम् डाकगृहम् (दिल्लीराज्यम्) विषयः- इण्टरनेट-वैंकिंग-माध्यमेन धनादेशं प्रेषणाय।	
महोदय,	
अहं भवतां डाकगृहमाध्यमेन (iii)राज्यस्य निव	क्तिनं स्वभानां पति द्रप्यनेट-वैंकिंग-द्वारा (iv)
रूप्यकाणि प्रेषयितुम् इच्छामि। कृपया कथयतु भवान् यत् इयं	i (v) कथं भविष्यति कति च रूप्यका
(vi) रूपे प्रदास्यन्ते कदा च (vii)	तस्मै प्रदास्यति?
अह तस्मै शीघ्रं (viii) प्रेषियतुम् इच्छामि । कृपया	शीघ्रमेव उत्तरं यच्छतु भवान् । अहं भवताम् (ix)
भविष्यामि ।	
	निवेद
	(x)
मञ्जूषा	The total business that the second the second
रूप्यकाणि, प्रक्रिया, भीष्मः चक्रवर्ती, दिल्लीराज्यम्, धनम्, डाक	ज्यालमहोदयाः आभारी, बिहार, शल्कस्य, दशसहस्रम
भवान् सुदीप्तः गर्गः दिल्लीनगरस्य शाहदरा उपनगरं निवसति । भवतः	क्षेत्रे इदानी चौर्यकार्यं प्रवधित वर्तते । तस्य निवारणाय स्वक्षत्रस्य र्
अधिकारिणं लिखितम् इदं स्वपत्रं भवान् मञ्जूषायाः सहायतया सम्पूरय	मतु-
अधिकारिणं लिखितम् इदं स्वपत्रं भवान् मञ्जूषायाः सहायतया सम्पूरय	यतु− 10/120 बी०, शाहदरा
अधिकारिणं लिखितम् इदं स्वपत्रं भवान् मञ्जूषायाः सहायतया सम्पूरय	मतु- 10/120 बी०, शाहदरा (i)
अधिकारिणं त्तिखितम् इदं स्वपत्रं भवान् मञ्जूषायाः सहायतया सम्पूरय	यतु− 10/120 बी०, शाहदरा
अधिकारिणं त्रिखितम् इदं स्वपत्रं भवान् मञ्जूषायाः सहायतया सम्पूरय वायाम्,	मतु- 10/120 बी०, शाहदरा (i)
अधिकारिणं त्तिखितम् इदं स्वपत्रं भवान् मञ्जूषायाः सहायतया सम्पूरय वायाम्, पायुक्तमहोदयः (पूर्वीक्षेत्रम्)	मतु- 10/120 बी०, शाहदरा (i)
अधिकारिणं त्रिखितम् इदं स्वपत्रं भवान् मञ्जूषायाः सहायतया सम्पूरय वायाम्, पायुक्तमहोदयः (पूर्वीक्षेत्रम्) रक्षाक्षेत्रम् (थाना)	मतु- 10/120 बी०, शाहदरा (i)
अधिकारिणं लिखितम् इदं स्वपत्रं भवान् मञ्जूषायाः सहायतया सम्पूरय वायाम्, पायुक्तमहोदयः (पूर्वीक्षेत्रम्) रक्षाक्षेत्रम् (थाना) ()(दिल्लीराज्यम्)	मतु- 10/120 बी०, शाहदरा (i)
अधिकारिणं लिखितम् इदं स्वपत्रं भवान् मञ्जूषायाः सहायतया सम्पूरय वायाम्, पायुक्तमहोदयः (पूर्वीक्षेत्रम्) रक्षाक्षेत्रम् (थाना) ह)(दिल्लीराज्यम्) षयः–क्षेत्रे वर्धितं चौर्यकार्यस्य निवारणाय व्यवस्थार्थं पत्रम्।	मतु- 10/120 बी०, शाहदरा (i)
अधिकारिणं लिखितम् इदं स्वपत्रं भवान् मञ्जूषायाः सहायतया सम्पूरय वायाम्, पायुक्तमहोदयः (पूर्वीक्षेत्रम्) रक्षाक्षेत्रम् (थाना))(दिल्लीराज्यम्) षयः—क्षेत्रे वर्धितं चौर्यकार्यस्य निवारणाय व्यवस्थार्थं पत्रम्। शेदय,	यतु- 10/120 बी०, शाहदरा (i) दिनाङ्कः
अधिकारिणं लिखितम् इदं स्वपत्रं भवान् मञ्जूषायाः सहायतया सम्पूरय वायाम्, पायुक्तमहोदयः (पूर्वीक्षेत्रम्) रक्षाक्षेत्रम् (थाना) प्राप्तान्त्रम् विक्तिं चौर्यकार्यस्य निवारणाय व्यवस्थार्थं पत्रम्। वोदय,	म्तु- 10/120 बी०, शाहदरा (i)
अधिकारिणं लिखितम् इदं स्वपत्रं भवान् मञ्जूषायाः सहायतया सम्पूरय वायाम्, पायुक्तमहोदयः (पूर्वीक्षेत्रम्) रक्षाक्षेत्रम् (थाना) विक्लीराज्यम्) षयः—क्षेत्रे वर्धितं चौर्यकार्यस्य निवारणाय व्यवस्थार्थं पत्रम्। वेदय, वेनयं (iii) —————————————————————————————————	मी अस्म । सम्प्रति कस्माच्चित् (iv) अस्म पि जनानां गृहेषु प्रविश्य (vi) कर्वन्ति । ते व
अधिकारिणं लिखितम् इदं स्वपत्रं भवान् मञ्जूषायाः सहायतया सम्पूर्य वायाम्, पायुक्तमहोदयः (पूर्वीक्षेत्रम्) रक्षाक्षेत्रम् (थाना) विवयः—क्षेत्रे विधितं चौर्यकार्यस्य निवारणाय व्यवस्थार्थं पत्रम् । विवयः, वेनयं (iii) —————————————————————————————————	मी अस्मि । सम्प्रति कस्माच्चित् (<i>iv</i>)
अधिकारिणं लिखितम् इदं स्वपत्रं भवान् मञ्जूषायाः सहायतया सम्पूर्य वायाम्, पायुक्तमहोदयः (पूर्वीक्षेत्रम्) रक्षाक्षेत्रम् (थाना) विवयः—क्षेत्रे विधितं चौर्यकार्यस्य निवारणाय व्यवस्थार्थं पत्रम् । विवयः, वेनयं (iii) —————————————————————————————————	मी अस्मि । सम्प्रति कस्माच्चित् (<i>iv</i>)
अधिकारिणं लिखितम् इदं स्वपत्रं भवान् मञ्जूषायाः सहायतया सम्पूरय वायाम्, पायुक्तमहोदयः (पूर्वीक्षेत्रम्) रक्षाक्षेत्रम् (थाना) विक्लीराज्यम्) षयः—क्षेत्रे वर्धितं चौर्यकार्यस्य निवारणाय व्यवस्थार्थं पत्रम्। वेदय, वेनयं (iii) —————————————————————————————————	मी अस्मि । सम्प्रति कस्माच्चित् (<i>iv</i>)
अधिकारिणं लिखितम् इदं स्वपत्रं भवान् मञ्जूषायाः सहायतया सम्पूर्य वायाम्, पायुक्तमहोदयः (पूर्वीक्षेत्रम्) रक्षाक्षेत्रम् (थाना) विवयः—क्षेत्रे विधितं चौर्यकार्यस्य निवारणाय व्यवस्थार्थं पत्रम् । वोदय, वेनयं (iii) वर्तते यत् अहं भवतः क्षेत्रस्य निवार्यकार्यं प्रविधितम् अस्ति । चौराः (v) कदाचिर्दा जनान् घनन्ति अपि । अतः सर्वत्र जनाः (vii) निवारण्य	मी अस्मि। सम्प्रति कस्माच्चित् (iv)
अधिकारिणं लिखितम् इदं स्वपत्रं भवान् मञ्जूषायाः सहायतया सम्पूर्य वायाम्, पायुक्तमहोदयः (पूर्वीक्षेत्रम्) रक्षाक्षेत्रम् (थाना) विवयः—क्षेत्रे विर्धतं चौर्यकार्यस्य निवारणाय व्यवस्थार्थं पत्रम् । विदय, विनयं (iii) —————————————————————————————————	मी अस्मि । सम्प्रति कस्माच्चित् (<i>iv</i>)
अधिकारिणं लिखितम् इदं स्वपत्रं भवान् मञ्जूषायाः सहायतया सम्पूर्यं वायाम्, पायुक्तमहोदयः (पूर्वीक्षेत्रम्) रक्षाक्षेत्रम् (थाना) (दिल्लीराज्यम्) वयः—क्षेत्रे वर्धितं चौर्यकार्यस्य निवारणाय व्यवस्थार्थं पत्रम् । कोदय, वेनयं (iii) वर्तते यत् अहं भवतः क्षेत्रस्य निवार्यं प्रवर्धितम् अस्ति । चौराः (v) कदाचिर्दा जनान् घनन्ति अपि । अतः सर्वत्र जनाः (vii) कदाचिर्दा भवन्तं निवेदयामि यत् अस्य (viii) निवारण् वर्धेत । अहं भवताम् आभारी भविष्यामि ।	मी अस्मि । सम्प्रति कस्माच्चित् (iv) अस्म पि जनानां गृहेषु प्रविश्य (vi) कुर्वन्ति । ते व सन्ति । गाय समुचितं प्रयासं करोतु भवान्, येन क्षेत्रस्य निवासिषु सुर
अधिकारिणं लिखितम् इदं स्वपत्रं भवान् मञ्जूषायाः सहायतया सम्पूर्य वायाम्, पायुक्तमहोदयः (पूर्वीक्षेत्रम्) रक्षाक्षेत्रम् (थाना) विवयः—क्षेत्रे विर्धतं चौर्यकार्यस्य निवारणाय व्यवस्थार्थं पत्रम् । विदय, विनयं (iii) —————————————————————————————————	मी अस्मि । सम्प्रति कस्माच्चित् (iv) अस्म पि जनानां गृहेषु प्रविश्य (vi) कुर्वन्ति । ते व सन्ति । गाय समुचितं प्रयासं करोतु भवान्, येन क्षेत्रस्य निवासिषु सुर

(i)	
कानपुरम्	
दिनाङ्कः	
अग्रातः । अस्यां परीक्षायाम् अहं	;
शितम्। (viii) शीघ्रमेव गृहम्	Į
(ix) भवतां	
(x)	
क्षाभवनात्, सुतः, मम चित्रम्	
(i)	
दिनाङ्कः	
अह कि विश्वासम्	गान
The state of the s	
भवदीयः प्रिय	
(x)	
एकाम्, कुशलम्, अन्येषु, नवेन्दुः	
ः पदैः रिक्तस्थानानि पूरयतु-	
(i) ·····	
शिमला	गनगरम्
दिनाङ्कः	
	' यच्छ
प्रेषयतु ।	
भवत	याः भ्रा
(x)	
1 3	दिनाङ्कः आगतः। अस्यां परीक्षायाम् अह शितम्। (viii) शीघ्रमेव गृहम् (ix) भवतां (x) शाभवनात्, सुतः, मम चित्रम् ाः उचितं पदं चित्वा पूरयतु— (i) दिनाङ्कः भवन्ति परं निश्चितसमः अतः नियमपालनाय घटिका अत्यावश्यकी। अ भवदीयः प्रिय (x) शामल् दिनाङ्कः हम् अतीव (iv) तस्यै (vii) प्रेषयतु। भवदे



French

• Describe french political system (including all french political parties)

Vocational Subject

• Design a Chart on any topic of Self Management/Communication Skills.

Summer holiday homework(2022-2023) Class 12th

English

Make a project on any one topic of your choice as per the guidelines shared on the class group.

Mathematics and Applied Mathematics

Completing your practical files that were discussed in class.

Biology

Complete your practical file Start collecting data for project assignment.

Chemistry

Complete investigatory project.

Physics

Solve the numerical for chapter 1st and 2nd of NCERT

Economics

Solve the numerical of national income from the Book.

Do research of the topic of the project.

Accountancy

Solve the Questions of chapter 2 and 3 from the Book.

BST

Complete notes of chapter 1,2,3 and also complete the worksheet which has been shared in class group .

<u>History</u>

Project synopsis Review of one book related to the content of history.

Watch documentary on Ramayan by Amish on Discovery and background of Mahabharata on BBC.

Political science

Watch the Pradhanmantri series on YouTube.

Project synopsis

Geography

Write an essay in 1000 words of on any of the top following topics:

- impact of Higher Education expansion on income inequality in India.
- gender equality the hidden key to better health and higher.

Review the documentary on global warming hosted by Leonardo DiCaprio on nat geo.

Informatics Practices

Do SQL practical in a practical file.

Painting

Complete your composition on the topic which has been given in the class room.

Home science

Complete your project work, Complete the chapterwise worksheet which has been shared in a group .

Physical Education

Prepare a diet chart for you and your family members according to their requirements.